सांध्य दैनिक
4PM

कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार पड़े तो दवा जरूर दी जानी चाहिए।
-बीआर आम्बेडकर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 8 • अंक: 165 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, गुरुवार, 21 जुलाई, 2022

दूध-आटा पर जीएसटी, शराब और... 7 | मिशन 2024: बूथ के जरिए हारी... 3 | तिरंगा अभियान के जरिए सपा... 2

सोनिया से ईडी की पूछताछ, संसद से सड़क तक कांग्रेस का प्रदर्शन

- नेशनल हेराल्ड मनी लॉड्रिंग मामले में एजेंसी के सामने पेश हुईं कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष
- ईडी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन, नारेबाजी, कई कांग्रेसी नेताओं को लिया गया हिरासत में
- डॉक्टर भी साथ, तबीयत बिगड़ी तो जा सकेंगी वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछताछ की। पूछताछ के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने संसद से सड़क तक प्रदर्शन किया। इस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट समेत कई कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यूपी की राजधानी लखनऊ समेत देश भर में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया है।

नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए आज कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ईडी कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ राहुल और प्रियंका गांधी भी थीं। एजेंसी की वरिष्ठ महिला अधिकारी सोनिया गांधी से पूछताछ कर रही हैं। वहीं पार्टी सोनिया के साथ एकजुटता दिखाने के लिए देशभर में प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार बदले की भावना से सोनिया गांधी को फंसा रही है। इसके विरोध में पार्टी मुख्यालय से संसद तक कांग्रेस नेताओं और सांसदों ने मार्च निकाला। कांग्रेस सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में भी विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सत्तारूढ़ दल दिखाना चाहता है कि वे कितने शक्तिशाली हैं। हमने संसद में महंगाई का मुद्दा उठाया है लेकिन वे चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं। अब हम केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठा रहे हैं। ईडी अधिकारियों ने बताया है कि अगर पूछताछ के दौरान सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ती है तो उन्हें वापस जाने दिया जाएगा। सोनिया के साथ प्रियंका गांधी और डॉक्टरों की टीम मौजूद हैं। इससे पहले ईडी ने राहुल गांधी से पूछताछ की थी।

हंगामे पर बोली सरकार, सोनिया कांग्रेस अध्यक्ष, महामानव नहीं

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में कांग्रेस सांसदों द्वारा संसद में हंगामा करने पर सरकार ने पलटवार किया। लोक सभा में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बेवजह का हंगामा कर रही है। कानून के सामने सब बराबर हैं। सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष हैं महामानव नहीं। कांग्रेस के लोग सोचते हैं कि वे कानून से ऊपर हैं। इसके पहले कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोक सभा में केंद्र सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया था।

फोटो: सुमित कुमार

क्या है मामला

नेशनल हेराल्ड अखबार और इसे प्रकाशित करने वाली कंपनी एजेएल और यंग इंडियन कंपनी में वित्तीय गड़बड़ी को लेकर ईडी जांच कर रही है। सोनिया और राहुल के पास यंग इंडिया के 36 प्रतिशत शेयर थे।

भाजपा ने साधा निशाना, कहा यह सत्याग्रह नहीं दुराग्रह

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का ये सत्याग्रह नहीं बल्कि देश और देश के कानून के खिलाफ दुराग्रह है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस मामले में आरोपी हैं और वे दोनों जमानत पर हैं। उन पर धोखाधड़ी का आरोप है। रविशंकर ने कहा कि वे हाईकोर्ट गए वहां याचिका खारिज हुई, वे सुप्रीम कोर्ट गए वहां भी याचिका खारिज हुई। वहीं, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि अगर गांधी परिवार बेदाग है तो अब बेहाल क्यों? अगर गांधी परिवार ने भ्रष्टाचार नहीं किया तो हंगामा क्यों? आखिरकार भारत के नागरिकों से अगर किसी ने भ्रष्टाचार किया है तो उससे पूछताछ करना एजेंसियों का काम है। तो क्या गांधी परिवार के लिए कानून अलग से बनेगा? अगर कांग्रेस के पास छिपाने के लिए कुछ न हो तो हंगामा करने की जरूरत नहीं है। ये तिलमिलाहट क्यों है, घबराहट क्यों है, छटपटाहट क्यों है? ये कहीं न कहीं दिखाता है कि दाल में कुछ काला है या तो पूरी दाल ही काली है।

कौन बनेगा राष्ट्रपति

वोटों की गिनती शुरू द्रौपदी मुर्मू रेस में आगे

- विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार हैं यशवंत सिन्हा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश को आज पता चल जाएगा कि देश का अगला राष्ट्रपति कौन होगा। आज 11 बजे से संसद भवन में मतगणना शुरू हुई। एनडीए की ओर से द्रौपदी मुर्मू जबकि विपक्ष की तरफ से यशवंत सिन्हा उम्मीदवार हैं। मुर्मू की जीत की काफी संभावना जताई जा रही है। यदि वह जीत हासिल करती हैं तो देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बन जाएंगी।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए संसद भवन में मतगणना जारी है। संसद भवन के कमरा नंबर 63 में मतगणना चल रही है और मतगणना के तुरंत बाद परिणाम घोषित किया जाएगा। बताया जा रहा है कि द्रौपदी मुर्मू रेस में आगे चल रही हैं।

द्रौपदी मुर्मू के घर जश्न की तैयारी

द्रौपदी मुर्मू के गृहनगर रायरंगपुर में परिणाम घोषित होने से पहले ही जश्न की तैयारी है। मुर्मू की मौसी सरस्वती ने कहा, हमारे जमाने में हम लड़कियों से हमेशा कहा जाता था कि तुम पढ़कर क्या करोगी। लोग उनसे पूछते थे कि वह क्या कर पाएगी। अब उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह क्या कर सकती हैं। द्रौपदी मुर्मू पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति होने से देश में सभी को गर्व की अनुभूति होने वाली है।

सीएम ने दी राज्यकर्मियों को कैशलेस इलाज की सौगात, कहा

कर्मचारी हित में काम कर रही सरकार

- दिया हेल्थ कार्ड, यूपी बना देश का पहला राज्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लोक भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने दस कर्मियों और सेवानिवृत्त कर्मियों को राज्य हेल्थ कार्ड वितरित किए। इस योजना से 22 लाख राज्य कर्मचारी, रिटायर कर्मचारी और उनके आश्रितों सहित 75 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा है कि कैशलेस चिकित्सा कार्ड की मांग लंबे समय से थी। आयुष्मान भारत योजना में अन्त्योदय कार्ड धारकों को पांच लाख तक का चिकित्सा बीमा कवर दिया जा रहा है। राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी सरकारी और इम्पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा के लिए स्टेट हेल्थ कार्ड देने का निर्णय किया गया है।

उन्होंने कहा कि यूपी देश का पहला राज्य जिसने कर्मचारियों को यह सुविधा दी। राज्य कर्मचारियों को हम परिवार का अंग मानते हैं। कर्मचारियों को भी चाहिए कि वह जनता के हित के कार्य पूरे मनोयोग से करें। राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। कोरोना काल में भी कर्मचारियों के हितों को प्रभावित नहीं होने दिया। समय से वेतन -पेंशन दिया गया। हम सब मिलकर राज्य की व्यवस्था को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएंगे ताकि यूपी देश का नंबर वन अर्थव्यवस्था का राज्य बने। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अब उपचार कराने में धन की कमी आड़े नहीं आएगी। सरकारी चिकित्सा संस्थानों में असीमित मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी और आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध निजी अस्पतालों में पांच लाख रुपए तक के इलाज की प्रति वर्ष मुफ्त सुविधा दी जाएगी। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा भी मौजूद रहे।

तिरंगा अभियान के जरिए सपा की जनता से जुड़ाव की रणनीति

» तिरंगा फहराने के पीछे सपा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की मुहिम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में राज्यमंत्री दिनेश खटीक के इस्तीफे पर अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि कभी-कभी बुलडोजर उल्टा भी चलता है। दिनेश खटीक ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने इसे सही फैसला करार देते हुए ट्वीट किया कि जहां मंत्री होने का सम्मान तो नहीं, परंतु दलित होने का अपमान मिले। ऐसी भेदभावपूर्ण भाजपा सरकार से त्यागपत्र देना ही अपने समाज का मान रखने के लिए यथोचित उपाय है। कभी-कभी बुलडोजर उल्टा भी चलता है। अखिलेश यादव ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कुशासन की क्रॉनॉलॉजी समझिए।

अखिलेश ने कहा पहले लोक निर्माण विभाग के मंत्रालय में विद्रोह। फिर स्वास्थ्य मंत्रालय में विद्रोह। अब जल शक्ति मंत्रालय में विद्रोह। जनता पूछ रही है, उप्र की भाजपा सरकार ईमानदारी से बताए। अब अगली बारी किसकी है? दिनेश खटीक के इस्तीफे से प्रदेश की

राजनीति में हलचल मच गई है। प्रदेश सरकार के एक अन्य मंत्री जितिन प्रसाद भी सरकार से नाराज बताए जा रहे हैं। इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की है। उन्होंने कहा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आम लोगों को समाजवादियों के साथ आगे आना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा और आरएसएस में राष्ट्रध्वज के प्रति कभी सम्मानभाव नहीं रहा है। उन्होंने सवाल किया कि संघ के नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रध्वज क्यों नहीं फहराया जाता? अखिलेश ने कहा एक सप्ताह का यह पर्व स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति, शहीदों को नमन तथा संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए समर्पित होगा। उन्होंने कहा कि नौ अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान किया था। कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के बाद जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे समाजवादियों ने ही भारत छोड़ो आंदोलन की बागडोर संभाली थी। अब यह जिम्मेदारी आम जनता की है। नौ से 15 अगस्त तक घरों में तिरंगा फहराने के अभियान के पीछे सपा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और जनता से जुड़ाव की रणनीति है। इस दौरान लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों को बचाने का सपाई संकल्प भी लेंगे। रणनीतिकारों का मानना है कि सात दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम से जनता में जागरूकता आएगी। इन कार्यक्रमों के जरिए लोगों को समझाया जाएगा कि भाजपा सरकार की नीतियों से लोगों को कितनी समस्याएं हो रही हैं। इस दौरान लोगों को पार्टी से भी जोड़ा जाएगा।

आजम ने राजभर को घेरा अखिलेश का किया बचाव

» ओमप्रकाश को सच बोलने की नसीहत दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव को एसी में बैठकर ट्वीट करने वाला नेता बताने के बयान को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। आजम ने कहा हमने उन्हें (ओमप्रकाश राजभर) कभी धूप में खड़ा नहीं देखा। कभी धूप में खड़ा देखूंगा तब उनके बारे में बोलूंगा। ओमप्रकाश ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अखिलेश यादव एसी में बैठकर सिर्फ ट्वीट करते हैं।

व्यक्तिगत कारणों से प्रयागराज आए आजम खां ने इस बाबत पूछे गए सवाल पर यह टिप्पणी की। साथ ही ओमप्रकाश को सच बोलने की नसीहत दी। आजम ने कहा कि ओमप्रकाश झूठ न बोलें, सच बोलें तो बेहतर होगा। इस बयान के साथ आजम खान ने अखिलेश के साथ उनके संबंधों के बीच दरार तलाशने वालों को भी आइना दिखाया। हालांकि आजम ने अपने बयान में ओमप्रकाश राजभर का नाम नहीं लिया। इसकी वजह से यह बात भी उड़ी कि आजम खान ने यह टिप्पणी अखिलेश यादव के लिए की है। इसके तूल पकड़ने के बाद आजम खान के बेटे अब्दुला आजम ने ट्वीट करके स्पष्ट किया कि हमने उन्हें कभी धूप में खड़ा नहीं देखा' वाली टिप्पणी ओमप्रकाश राजभर के लिए की गई है, न कि अखिलेश के लिए। प्रयागराज में उन्होंने कहा हम बाइज्जत शहरी नहीं हैं और आपका यह शहर बाइज्जत शहर है। हम मुर्गी के डकैत हैं, भैंस के डकैत हैं, बकरी के डकैत है।

मैं तलाश लूंगा दूसरा आंगन : राजभर

» योगी आदित्यनाथ के काम की तारीफ की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर ने योगी आदित्यनाथ को कर्मठ, ईमानदार और मेहनती मुख्यमंत्री करार देते हुए कहा कि सीएम की ईमानदारी पर कोई प्रश्न नहीं उठा सकता है। वे एक कर्मठ नेता हैं और उनके काम में कोई कमी नहीं है। इसी वजह से उनकी चर्चा शिवपाल सिंह यादव के साथ ही अन्य लोग करते हैं। हाल ही में हुए लोकसभा उपचुनाव के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि उपचुनाव के दौरान आजमगढ़ में वह जहां-जहां गए सब जगह लोगों ने यही कहा कि समाजवादी पार्टी के काल में जो गुंडागर्दी, रंगदारी थी, इस सरकार में हमें निजात मिली है।

झांसी, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, एटा, इटावा, सहारनपुर, बागपत, शामली हर जगह व्यापारियों ने योगी आदित्यनाथ की सराहना की। राजभर ने सीएम की तारीफ करने के साथ ही यह भी कहा कि योगी सरकार में बड़ा बदलाव आया है। वहीं विपक्ष को साथ लेकर चलने की बात पर राजभर ने कहा योगी सबकी सुनते हैं। योगी से मैंने अपने क्षेत्र की समस्याओं और विधायकों की बातों को लेकर तीन बार मुलाकात की है। यही नहीं, स्थानांतरण प्रकरण में सीएम योगी ने मंत्रियों से कहा है कि वे विपक्ष के विधायकों की बात भी ध्यान से सुनें।

सतह पर मंत्रियों व नौकरशाही के बीच खींचतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार में मंत्रियों और नौकरशाही के बीच चल रही खींचतान सतह पर आ गई है। कई विभागों में मंत्रियों और आला अधिकारियों में तालमेल की कमी के कारण विभागीय कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। कई दिग्गज मंत्री अपने महकमे के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव को बदलने की सिफारिश कर चुके हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह की भी विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव व सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिन अनिल गर्ग से नहीं पट रही है। वे दोनों को बदलने का आग्रह कर चुके हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद की खींचतान जगजाहिर हो चुकी है।

मनमानी करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : नंदी

» भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर योगी के मंत्री की सख्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में अनियमितता की जड़ें जमा चुके अधिकारियों व कर्मचारियों की अब खैर नहीं है। औद्योगिक विकास विभाग में मनमानी करने वाले अधिकारियों को चिह्नित कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने नोएडा विकास प्राधिकरण में तैनात प्रबंधक गौरव बंसल को निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए जांच अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

प्राधिकरण प्रबंधक गौरव बंसल पर आरोप है कि उन्होंने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में तैनाती के दौरान अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर स्वयं अपने स्तर से पुराने भूखंडों का आवंटन निरस्त कर अपने रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाया। जांच में शिकायत सही मिलने पर औद्योगिक विकास मंत्री नंदी ने नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के प्रबंधक गौरव बंसल के निलंबन के साथ ही कार्रवाई का आदेश जारी किया। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में तैनात दो अधिकारियों के खिलाफ निलंबन के साथ ही यूपीसीडा वाराणसी रीजन में भी तैनात एक अधिकारी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई हो चुकी है।

मंत्री नहीं दे रहे राज्यमंत्रियों को काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से समय-समय पर राज्यमंत्रियों को कार्य के बंटवारे के निर्देश के बाद भी प्रदेश सरकार के आधा दर्जन से ज्यादा कैबिनेट मंत्रियों और राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने राज्य मंत्रियों को कार्य आवंटन नहीं किया है। सरकार गठन के 125 दिन बाद भी कार्य का बंटवारा न होने से राज्यमंत्री आहत हैं। वहीं कुछ राज्यमंत्रियों को जो काम मिला है, वह उससे संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने सरकार और संगठन में उचित स्तर पर इस पर असंतोष भी जताया है।

योगी सरकार के 53 सदस्यीय मंत्रिपरिषद में 20 राज्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री ने अपने साथ राज्यमंत्रियों को कार्य आवंटित कर दिए हैं और समय-समय पर बतौर प्रतिनिधि क्षेत्रों में भी भेजते हैं। लेकिन सरकार में कैबिनेट मंत्रियों और राज्यमंत्री से संबद्ध किए गए करीब आधा दर्जन से अधिक राज्यमंत्रियों को कामकाज का बंटवारा नहीं हुआ है। जलशक्ति विभाग के दूसरे राज्यमंत्री रामकेश निषाद को भी काम का आवंटन नहीं हुआ है। हालांकि वह कहते हैं कि जो भी काम दिया जाता है वह उसे करते हैं। ग्राम्य विकास राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम को केवल गांवों में जाकर ग्राम्य विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करने के लिए कहा गया है। श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी को विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से जुड़ा काम दिया है।

आगे सावधान रहेंगे जितिन प्रसाद!

अफसरों में ट्रांसफर पावर पर वर्चस्व की लड़ाई से बिदके मंत्री

» अपने को साबित करने के लिए जितिन प्रसाद को लगाना पड़ेगा जोर

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। प्रदेश के पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) में तबादला घोटाले ने अब तूल पकड़ लिया है। तबादले में करोड़ों के वारे-न्यारे करने के आरोप में भले ही प्रदेश सरकार विभागीय मंत्री जितिन प्रसाद के ओएसडी और अन्य पांच अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर अपनी पीठ थपथपा रही हो लेकिन इस घोटाले ने न केवल विभागीय मंत्री जितिन प्रसाद बल्कि सरकार की मंशा पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं। उधर सवाल ये भी उठ रहे हैं कि कांग्रेस से बीजेपी में आकर सीधे कैबिनेट मंत्री बने जितिन प्रसाद के राजनीतिक भविष्य पर क्या असर होगा? इसके पीछे ये सबसे बड़ी वजह है कि न सिर्फ लोक निर्माण विभाग में गड़बड़ियों की बात सामने आई,बल्कि इस बात की भी चर्चा होती रही कि जितिन प्रसाद के जिस ओएसडी की सबसे ज्यादा भूमिका बताई जा रही है वो उनके सबसे करीबी थे।

क्या इतने बड़े पैमाने पर तबादलों में गड़बड़ी की भनक खुद मंत्री को नहीं लगी? चर्चा है कि जितिन की अनदेखी ने कहीं न कहीं नेतृत्व को भी असहज कर दिया है। ऐसे में जितिन प्रसाद को अपनी ही सरकार से सावधान रहने की जरूरत है। इस बीच ये चर्चा भी है कि अनिल पांडेय जितिन प्रसाद के सबसे ज्यादा करीबी हैं। वही उन्हें अपने साथ दिल्ली से लेकर आए थे। ऐसे में जितिन प्रसाद की भूमिका को इससे परे रखना तर्कसंगत नहीं है। बता दें कि बीजेपी जितिन को ब्राह्मण नेता के तौर पर लाई थी पर जितिन प्रसाद ने 2004 के बाद से कोई चुनाव नहीं जीता है। पार्टी ने उनको एमएलसी बनाया मगर पार्टी के कार्यक्रमों में उनकी सक्रियता कम ही बनी रही। इस बीच लोक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विभाग में इतनी बड़ी गड़बड़ी के सामने आने से अब ये तय है कि पार्टी की नजर जितिन प्रसाद पर होगी।

जितिन प्रसाद को अपने को साबित करने के लिए अब ज्यादा जोर लगाना पड़ेगा क्योंकि अब पार्टी की नजर उन पर रहेगी। अगर पार्टी ने हाशिए पर किया तो अब आगे का रास्ता भी मुश्किल हो सकता है। जितिन प्रसाद के दिल्ली जाने और गृह मंत्री से मिलने की चर्चा है।

अब तक भाजपा कल्चर में घुल-मिल नहीं पाए जितिन

बीजेपी में चुनाव से पहले जॉइनिंग के वक्त से ही जितिन प्रसाद को जिस तरह से पार्टी का बड़ा ब्राह्मण चेहरा बताया गया, उससे ये तय था कि जितिन प्रसाद को पार्टी में अहम पद और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने वाली है। मंत्रिमंडल में सबसे अहम पद देकर ये साबित भी किया गया कि न सिर्फ जितिन प्रसाद को पार्टी महत्व दे रही है बल्कि पार्टी को जितिन प्रसाद से काफी उम्मीदें भी हैं लेकिन लोक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विभाग पाने के बाद सिर्फ 100 ही दिन हुए थे कि तबादलों को लेकर हाल के वर्षों का सबसे बड़ा विवाद हो गया। इस बीच ये बात होती रही कि जितिन अब तक भाजपा कल्चर में घुल-मिल भी नहीं पाए हैं और लोगों से भी फ्रेंड्ली नहीं हो पाए हैं।

बृजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग में तबादलों को लेकर जताई थी कड़ी नाराजगी

30 जून को स्वास्थ्य विभाग में तबादलों को लेकर भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की हैदराबाद बैठक से लौटे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने 4 जुलाई को तबादलों को लेकर कड़ी नाराजगी जताते हुए स्थानांतरण नीति का पालन न होने की बात कही थी। उन्होंने अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद से पूरी तबादला सूची विवरण सहित तलब की है। उधर, अपर मुख्य सचिव ने तबादलों को सही ठहराया था। उसके बाद सीएमओ ने रिपोर्ट मांग ली है। इसमें गड़बड़ियां सामने आईं, जिस पर सीएम योगी ने जांच रिपोर्ट की समीक्षा करने की टीम बनाई और टीम से समीक्षा रिपोर्ट देने को कहा।

अफसर नहीं देते तबादलों की जानकारी : खटीक

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के मंत्रालय जलशक्ति विभाग के जूनियर यानी राज्यमंत्री दिनेश खटीक की बात करें तो वह भी नाराज हैं। उनका कहना है कि ट्रांसफर को लेकर उनकी कोई बात सुनी नहीं जाती है। दिनेश खटीक अगर कोई सूचना मांगते हैं तो उस पर अधिकारी उनका फोन भी काट देते हैं। अमित शाह को लिखी गई वायरल चिट्ठी में दिनेश खटीक ने तो यहां तक कह डाला कि तबादलों में बड़ा भ्रष्टाचार है। अगर तबादले की रिपोर्ट या सूचना अधिकारियों से मांगी जाती है तो वह देने से मना कर देते हैं।

विभागीय फाइलें ओएसडी के माध्यम से ही जितिन के पास जाती थीं

सूत्र बताते हैं कि इस बार सरकार बनते ही 'हाई ट्रांसफर पॉलिसी' के जरिए सरकार ने एक संदेश देने की कोशिश की, मगर उसके बाद ही ये विवाद और ट्रांसफर में गड़बड़ी सामने आ गई। हालांकि इस पूरे मामले पर जितिन प्रसाद चुप्पी साधे हुए हैं लेकिन अब उनके व्यवहार और 'बॉडी लैंग्वेज' पर ही सवाल उठ रहे हैं। इस तरह से पार्टी में शामिल होने के बाद जितिन अलग-थलग दिखते रहे, उसके भी मायने निकाले जा रहे हैं। ये बात अब बिल्कुल खुले रूप में कही जा रही है कि मंत्री का सारा काम जो ओएसडी अनिल पांडेय संभालते थे, उनको वो खास तौर पर लेकर आए। विभागीय फाइलें ओएसडी के माध्यम से ही मंत्री के पास जाती थीं। ऐसे में इतनी बड़ी गड़बड़ी में ओएसडी को पूरी तरह जिम्मेदार माना जा रहा है। क्या मंत्री को इसकी जानकारी भी नहीं थी? अनिल पांडेय इससे पहले केंद्रीय उपभोक्ता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में अवर सचिव रहे हैं और उनको जितिन प्रसाद की सिफारिश पर ही उत्तर प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती दी गई थी।

मिशन 2024 : बूथ के जरिए हारी सीटों पर कमल खिलाने की तैयारी में भाजपा

» हारी सीटों पर विशेष फोकस, किसानों और युवाओं को साधने में जुटी पार्टी

» लाभार्थियों से साधा जा रहा संपर्क, कल्याणकारी योजनाओं की दे रहे जानकारी

» संगठन के पदाधिकारियों और नेताओं को दी गयी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार प्रदेश की सत्ता में लौटी भाजपा के हौसले बुलंद हैं। अब वह लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जोर-शोर से जुट गयी है। लोक सभा उपचुनाव में रामपुर और आजमगढ़ की सीट सपा से छीनने के बाद भाजपा ने प्रदेश में सभी अस्सी सीटों को जीतने का लक्ष्य तय किया है और इसको लेकर पार्टी नेतृत्व ने रणनीति भी बना ली है।

लोक सभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने रणनीति बना ली है। संगठन ने उन सभी सीटों पर बड़े नेताओं के दौरे सुनिश्चित कर दिए हैं, जहां पिछले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। उत्तर प्रदेश में भाजपा गठबंधन को पिछले लोक सभा चुनाव में 64 सीटें मिली थीं। 16 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। इनमें से दो सीटें जौनपुर और गाजीपुर काशी प्रांत की हैं। बूथों को मजबूत करने का अभियान भी तेज गति से चलाया जा रहा है। जन प्रतिनिधियों को 100 बूथों का दौरा करने और वहां सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे लोगों से फीडबैक लेने की जिम्मेदारी मिली है। इसी क्रम में जो लोक सभा सीटें पार्टी हारी है वहां जमीन तैयार करने की भी जिम्मेदारी संगठन के लोगों को दी गई है। प्रभारियों के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के भी कार्यक्रम वहां लगाए जा रहे हैं। वहीं भाजपा किसानों और युवाओं को साधने में जुटी है। सीएम योगी ने हाल ही में गन्ना किसानों को शेयर होल्डर बनाए जाने का प्रमाणपत्र वितरित किया था। वहीं छात्रों को टैबलेट व स्मार्ट फोन भी वितरित किए जा रहे हैं। इसके जरिए भाजपा किसानों और युवाओं में तेजी से पैठ बढ़ा रही है।

बनाए गए शक्ति केंद्र

सेक्टरों को शक्ति केंद्रों में परिवर्तित कर दिया गया है। इनकी निगरानी का दायित्व भी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को दिया गया है। पहले सभी आयोजन मंडल स्तर पर होते थे अब शक्ति केंद्रों पर होंगे। किसी वरिष्ठ पदाधिकारी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के साथ स्थानीय लोगों से चर्चा भी की जाएगी।

महिला मोर्चा भी सक्रिय

भाजपा ने महिला मोर्चा को सक्रिय रहने और घर-घर संपर्क बढ़ाने का लक्ष्य दिया है। प्रयागराज की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अर्चना शुक्ला ने बताया कि एनजीओ चलाने वाली, स्वयं सहायता समूह या व्यक्तिगत रूप से अपना कार्य करने वाली महिलाओं से संपर्क करने का भी लक्ष्य मिला है। उनके नाम, ईमेल आइडी, फोन नंबर, पता, कार्य का विवरण आदि निर्धारित प्रोफार्मा पर भरकर प्रदेश कार्यालय को भेजा जाना है। वहां से इन महिलाओं का पंजीयन जेम पोर्टल पर कराया जाएगा। उसके बाद पोर्टल के जरिए विज्ञापन, बाजार आदि की सुविधा मिलेगी। इससे स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा। पार्टी की महिलाओं के बीच बैठ भी बन पाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विकास के दावों की हकीकत और बारिश

लंबे इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश में हुई बारिश ने राजधानी लखनऊ सहित तमाम शहरों में सरकारी विकास के दावों की पोल खोल दी। सड़कों और गलियों में हुए जलभराव के कारण लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों में हालात और भी बदतर दिखे। नाली का पानी गलियों में बहता रहा वहीं नालों का सिल्ट सड़कों पर फैल गया। यह स्थिति तब है जब नगर निगमों और नगर पालिकाओं ने बारिश के पहले जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के बड़े-बड़े दावे किए थे। वहीं सड़कों में बने गड्ढों में पानी भर जाने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सवाल यह है कि शहरों की व्यवस्था दुरुस्त करने के नाम पर आने वाला करोड़ों का बजट कहां जा रहा है? जल निकासी व्यवस्था आज तक सही क्यों नहीं की जा सकी है? सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का वादा जमीन पर क्यों नहीं उतर रहा है? सफाई के बाद नालों के सिल्ट का निस्तारण क्यों नहीं किया जा रहा है? आखिर थोड़ी बारिश में ही नाले उफनाने क्यों लगते हैं? क्या ऐसे ही शहर को स्मार्ट बनाने का सपना साकार हो सकेगा?

उत्तर प्रदेश में कई सरकारें आईं और गईं लेकिन शहरों की व्यवस्था आज तक नहीं सुधर सकी है। शहरों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी नगर निगमों और नगर पालिकाओं को सौंपी गयी है। इसके लिए भारी भरकम कर्मियों और अधिकारियों का अमला है। हर साल करोड़ों रुपये नाली और नालों की सफाई के नाम पर खर्च किए जाते हैं। बावजूद हालात बदतर हैं। राजधानी लखनऊ में अधिकांश नाले बारिश में उफनाने लगते हैं। आज भी पुराने शहर में गलियों और सड़कों पर नाले और नालियों का गंदा पानी बहता रहता है। कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था नहीं होने के कारण खाली प्लाटों में कूड़ा डंप किया जा रहा है। ये बारिश के दौरान संक्रामक रोगों को न्योता देते हैं। लापरवाही का आलम यह है कि जिन नालों की सफाई की जाती है उसका सिल्ट सड़क किनारे जमा कर दिया जाता है और बारिश के दौरान इसका अधिकांश हिस्सा नाले में चला जाता है। शेष सड़क पर बिखर जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। यही हाल यहां की सड़कों का है। ये आज तक गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी है। लिहाजा इन गड्ढों में पानी भर जाने के कारण लोगों का राह चलना मुश्किल हो गया है। जब राजधानी का यह हाल है तो अन्य शहरों का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यदि सरकार शहरों को स्मार्ट बनाना चाहती है तो उसे संबंधित विभागों को न केवल जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाही बरतने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी।

सवाल यह है कि शहरों की व्यवस्था दुरुस्त करने के नाम पर आने वाला करोड़ों का बजट कहां जा रहा है? जल निकासी व्यवस्था आज तक सही क्यों नहीं की जा सकी है? सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का वादा जमीन पर क्यों नहीं उतर रहा है? सफाई के बाद नालों के सिल्ट का निस्तारण क्यों नहीं किया जा रहा है? आखिर थोड़ी बारिश में ही नाले उफनाने क्यों लगते हैं?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आई2यू2 समूह भारत के लिए अनुकूल

सतीश कुमार

विश्व राजनीति की नियत और प्रकृति एक समान नहीं होती। वह समय और परिस्थिति के अनुरूप करवटें लेती है। पिछले दिनों जो कुछ हुआ वह भारत की विदेश नीति के पक्ष में हुआ। अमेरिका, भारत, इजरायल और यूएई ने पिछले साल अक्टूबर में एक समूह बनाने की पहल की थी। नौ महीने में यह ढांचा तैयार हो गया और हाल में इस समूह की शिखर बैठक भी संपन्न हो गयी। शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहली बैठक से आई2यू2 ने एक सकारात्मक एजेंडा स्थापित कर लिया है। कई क्षेत्रों में साझा परियोजनाओं का रोडमैप बनाया है। आई2यू2 समूह बनाने की मांग 2021 को चार देशों के विदेशमंत्रियों की बैठक में पेश की गयी थी।

आई2यू2 से तात्पर्य 'भारत, इजरायल, अमेरिका और यूएई' से है। संगठन का उद्देश्य पानी, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसे छह अहम पारस्परिक क्षेत्रों में संयुक्त निवेश को प्रोत्साहित करना है। पानी की समस्या, ग्रीन एनर्जी की किल्लत, खाद्य सामग्री और स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संयुक्त रूप से काम किया जायेगा। भारत में फूड कोर्ट के लिए पहल की गयी है. संगठन के भावी समीकरण को समझने की कोशिश करें, तो कई आयाम दिखायी देते हैं। इसके साथ ही, इस क्षेत्र में विविधता और कूटनीतिक विसंगतियों की चर्चा भी जरूरी है. शीतयुद्ध की शुरुआत के साथ ही अमेरिका ने दक्षिण और पश्चिम एशिया को दो अलग-अलग खेमों में बांट दिया था। इजरायल-फिलीस्तीन टकराव को उसने मोहरा बनाया और पश्चिम एशिया के चंद देशों को अपना पिट्ठू. तेल व्यापार पर पकड़ मजबूत करने के लिए उनके बीच के तालमेल को कभी बढ़ने नहीं दिया। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के बहाने अमेरिका भारत को पश्चिम एशिया से दूर ही रखा। भारत की परंपरागत विदेश नीति भी वैचारिक रूप से अलग बनी रही और इजरायल-फिलीस्तान के द्वंद्व में वर्षों तक अटकी रही। भारत 1950 में इजरायल को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देता है, लेकिन उसके साथ कोई कूटनीतिक संबंध स्थापित नहीं करता। दोनों देशों के बीच कोई व्यापारिक तंत्र नहीं बना। इसका एक कारण यह भी था कि भारत का मुस्लिम समाज नाराज हो जायेगा। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के कार्यकाल में इजरायल के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित हुए. लेकिन, यह नीति ज्यादा प्रभावी साबित नहीं हुई। 2003 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इजरायल के

प्रधानमंत्री एरियल शेरॉन को गणतंत्र दिवस का मुख्य अतिथि बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया को नये नजरिये से देखना शुरू किया. यूएई के साथ व्यापारिक संबंध के साथ सामरिक संबंधों की नींव डाली गयी। दूसरी तरफ, इजरायल के साथ भी सैन्य और व्यापारिक संबंधों को मजबूत किया गया। रूस और चीन एक साथ हुए, चीन और अमेरिका के बीच द्वंद्व बढ़ा ऐसे में पश्चिम एशिया की रणनीति में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण बनती गयी। यह समूह भारत के लिए कई तरह से मददगार साबित हो सकता है. पहला, खाड़ी के देश आपसी संघर्ष और द्वंद्व में बंटे हुए थे लेकिन, एक दशक से उनके बीच भी बदलाव आया है. यह बदलाव भारत की सोच के अनुरूप है, इसलिए पश्चिम एशिया का बहुत बड़ा बाजार भारत के लिए सहायक होगा। मसलन, एतिहाद रेल प्रोजेक्ट 2030 तक खाड़ी देशों को एक साथ जोड़ देगा। इसका सीधा लाभ भारत को मिलेगा। दूसरा, पाकिस्तान की मुस्लिम केंद्रित कूटनीति भारत के विरोध में कारगर नहीं रही. साल 2019 में कश्मीर से धारा-370 की समाप्ति कर भारत ने जब बुनियादी बदलाव को अंजाम दिया था, तब संयुक्त अरब अमीरात ने इसका समर्थन किया था।

तीसरा, भारत पश्चिम एशिया में अपनी ताकत और शक्ति के बूते पर है न कि अमेरिकी रहमो-करम पर. आज इस क्षेत्र को एक नया स्वरूप देने में भारत की अहम भूमिका है, इसलिए बदलाव भारत की सोच के कारण से भी होगा। ऐसा हो सकता है कि आगे चलकर ईरान भी इस ग्रुप का अंग बन जाये। इस बात की भी उम्मीद की जा सकती है कि रूस भी चारों देशों के इस संगठन में शामिल हो जाये. क्योंकि रूस का संबंध इजरायल और पश्चिमी देशों के साथ अच्छे हैं। चौथा, पश्चिम एशिया और खाड़ी के देश अफ्रीका और यूरोप को भी जोड़ते हैं। ग्रीन एनर्जी के वहां अनंत साधन हैं। भारत एक विश्व एक सूर्य और एक ग्रिड का समर्थन करता है। यह दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही दी है. इसलिए, आनेवाले समय में इस चतुर्भुज का प्रसार पूरे अफ्रीका में हो सकता है। फिलहाल स्थिति भारत के अनुकूल है। चीन के विस्तार को पश्चिम एशिया में रोकने के साथ-साथ हिंद महासागर में भी अपनी सुरक्षा को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। इन कवायदों में यह समूह प्रभावकारी साबित होगा।

आयुर्वेद ज्ञान को और तार्किक बनाने पर बल

दिनेश सी. शर्मा

जुलाई के पहले हफ्ते में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आगामी नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं को लेकर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया था। इस बैठक में मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में बृहद-विषयक सुधार करने का परामर्श दिया गया, जिसमें चिकित्सा पढ़ाई भी शामिल है। 'स्वास्थ्य देखभाल में बहु-विकल्प' को बढ़ावा देने के लिए आए कई विचारों में एक यह था कि स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया जाए। एलोपैथी मेडिकल पढ़ाई के छात्रों को पुराने वक्त से चली आ रही भारतीय इलाज पद्धति जैसे आयुर्वेद की प्राथमिक समझ होनी चाहिए और इसी तरह आयुर्वेद के शिक्षार्थियों को एलोपैथी का प्राथमिक ज्ञान हो। जहां नई शिक्षा पद्धति में इस किस्म के तमाम प्रावधानों के बारे में विचार हुआ वहीं मौजूदा आयुर्वेदिक शिक्षा पाठ्यक्रम को लेकर कुछ चिंतित स्वर भी उभरे।

'इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स' में छपे एक लेख में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयुर्वेदिक शरीर विज्ञान के एक प्रोफेसर ने भारत में आयुर्वेद की पढ़ाई में गंभीर गलतियों का जिक्र किया। किशोर पटवर्धन के इस लेख से बहुतों की पेशानी पर बल पड़े क्योंकि वे एक जाने-माने आयुर्वेद अनुसंधानकर्ता और बहुत ज्यादा पढ़ी जाने वाली आयुर्वेदिक शरीर विज्ञान किताबों के लेखक हैं। आयुर्वेद की विधा पुरातन ग्रंथ चरक संहिता और सुश्रुत एवं वाग्भट्ट द्वारा इसकी विवेचना पर आधारित है। समय-समय पर अन्य टिप्पणीकार और स्नातकों ने अपनी-अपनी व्याख्या कर इन आलेखों का पुनर्लेखन किया। पिछली कुछ शताब्दियों में इनके मूल पाठ को आधुनिक मेडिकल साइंस में शारीरिक संरचना, शरीर विज्ञान, रोग-विज्ञान, जैव-रसायन, सूक्ष्म जैविकी में पाए नए ज्ञान के आलोक में व्याख्या कर फिर से लिखा गया। इन व्याख्याओं का उद्देश्य सदा यह परिणाम बनाने के लिए था कि आयुर्वेद ज्ञान और मौजूदा मेडिकल सिद्धांतों में काफी समानता है। प्रयास था कि आधुनिक खोजों के चश्मे से देखकर पुरातन ज्ञान को वैध और तार्किक बनाया जाए।

उन्होंने माना कि मैंने जानबूझकर पुरातन सूक्तियों में सबसे ज्यादा उन्हीं तार्किक सूक्तियों को चुना जो आधुनिक समय के हिसाब से प्रासंगिक या सही प्रतीत हों। अब वे खुद कह रहे हैं कि पुराने पड़ चुके विचारों को सही सिद्ध करने का उनका यह रवैया गलत था, हालांकि विद्यार्थियों को पढ़ाते और पुस्तकें लिखते समय स्वयं यही किया। उदाहरणार्थ, आयुर्वेद सूक्तियों में जैसा आयुर्वेद शिक्षा एवं शल्य चिकित्सा के स्नातक कोर्स (बीएएमएस) में पढ़ाया जाता है इसमें कहा गया कि वीर्य का निर्माण अस्थि-मज्जा में होता है जो खून में मिलकर पूरे शरीर में बहता है। इस वक्तव्य को सही सिद्ध करने के लिए, आयुर्वेद की आधुनिक किताबों में यह दलील दी गई कि 'शुक्र' दो किस्म का हो सकता है यानी एक का मतलब वीर्य है तो दूसरा वह पदार्थ जो समूचे शरीर में मौजूद होता है जैसे कि प्रजनन हार्मोन्स। पटवर्धन एक अन्य उदाहरण मूत्र बनाने में गुर्दे की भूमिका का देते हैं। जहां इस बात के कोई ठोस सबूत नहीं हैं कि पुरातन भारतीयों को मूत्र-तंत्र का सटीक पता था लेकिन पुर्नव्याख्या करके यह यकीन दिलवाने की कोशिश की गई कि सब कुछ मालूम था। इस तरह नई मेडिकल खोजों और सिद्धांतों से होड़ लेने के लिए पुरानी पाठ्य सामग्री में घुमाकर व्याख्याएं जोड़ने का काम जारी रहा ताकि यह लोकप्रिय धारणा पुख्ता रहे कि पुराने भारतीय सब कुछ जानते थे और अपने समय से बहुत आगे थे। चिंता इस बात की है कि इस किस्म की अतार्किक और गैर-वैज्ञानिक व्याख्याएं देशभर में सैकड़ों की संख्या में चल रहे आयुर्वेद शिक्षा कॉलेजों में लगी पाठ्य पुस्तकों का हिस्सा हैं। कुछ आयुर्वेदिक दवाओं में भारी धातुएं जैसे कि पारा और कैडमियम की अधिक मात्रा के बारे में विवादों के चलते यूरोप और अमेरिका में पहले ही इन पर नजर है। उनका कहना है कि आयुर्वेद का भस्म-सिद्धांत आधुनिक काल के नैनो-मेडिसिन के अनुरूप है, इसलिए आयुर्वेद आधुनिक मेडिकल विज्ञान से कहीं आगे रहा है जबकि आयुर्वेदिक दवाओं में भारी धातुओं की उपस्थिति पर मुख्य चिंता जारी है, जिसके कारण कई मामलों में जिगर को भारी नुकसान की खबरें मिली हैं। विज्ञान विभाग भी इन पाठ्य पुस्तकों में दिए गए दावों का वैज्ञानिक आधार ढूंढ़ने के वास्ते परियोजनाओं को धन दे रहा है, चाहे यह गोमूत्र हो या त्रिदोष सिद्धांत। सरकार पुरातन पद्धति का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की अनुमति देना नहीं चाहती। वह चाहती है कि पुरातन ज्ञान को व्यावहारिक, आधुनिक और वैज्ञानिक बनाकर पेश किया जाए। कोविड-19 महामारी के इलाज में आयुर्वेदिक उपचार को बढ़ावा देने के लिए सरकारी एजेंसियों ने ढुलमुल रवैया अपनाया था। किसी पद्धति का आलोचनात्मक आकलन जरूरी होता है। जैसी संहिता एलोपैथिक दवाओं के लिए है, आयुर्वेदिक दवाओं को भी उसी तरह नियामकों के कड़े और सघन क्लीनिकल परीक्षण से गुजरकर दुष्प्रभाव, सुरक्षा और प्रभावशीलता सिद्ध करनी चाहिए। केवल योग्यता प्राप्त चिकित्सकों और उत्पादकों को आयुर्वेदिक दवाओं से इलाज और भारतीय पद्धति की दवाएं बनाने की इजाजत हो। आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन आधुनिक दवाओं की तर्ज पर मानकों, गुणवत्ता, परीक्षण, लेबलिंग और विपणन के अनुसार हो। नई शिक्षा नीति भारतीय उपचार पद्धति के लिए बने राष्ट्रीय आयोग को आयुर्वेदिक शिक्षण पाठ्यक्रम की समीक्षा का मौका दे रही है। आयुर्वेदिक उपचार पद्धति को विचारधारा के फंदे से मुक्त कर फलने-फूलने दिया जाए।

हर कामना पूर्ण करने को भगवान शिव को चढ़ायें

अक्षत

हिंदू धर्म में पूजा करते समय देवी-देवता को कच्चे चावल चढ़ाना शुभ माना जाता है। इसके साथ ही किसी भी मांगलिक कार्य में कच्चे चावलों को इस्तेमाल किया जाता है। बिना टूटे हुए कच्चे चावल को अक्षत कहते हैं। अक्षत अर्पित करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और समाज में मान सम्मान बढ़ता है। इसी तरह भगवान शिव की कृपा पाने के लिए कच्चा चावल चढ़ाना शुभ होता है। शास्त्रों में फूल के साथ चावल को भगवान पर अर्पित करने का विधान बताया गया है। जानिए भगवान को अक्षत चढ़ाते समय किन बातों का रखें ख्याल।

इस तरह चढ़ाएं चावल

चावल को पूर्णता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए बिना चावल शिवजी की पूजा पूरी नहीं होती है। इसलिए भगवान शिव को मुट्ठी भर चावल अर्पित कर सकते हैं। अगर आप मुट्ठी भर चावल नहीं अर्पित करना चाहते हैं, तो चावल के 5 या 7 दाने लेकर चढ़ा दें।

क्या है अक्षत?

अक्षत का भाव पूर्णता से जुड़ा हुआ है यानि जिसकी क्षति न हुई हो। इसलिए जब भी देवी-देवता को अक्षत चढ़ाते हैं, तो उनके कामना करते हैं कि जीवन में कभी भी किसी भी चीज की कमी न हो और जीवन में पूर्णता लाने के लिए प्रार्थना करते हैं। इसलिए पूजा में हमेशा साबुत चावल ही चढ़ाए जाने चाहिए। इसके साथ ही अक्षत का सफेद रंग शांति को दर्शाता है जो जीवन में सुख शांति लाने का काम करता है।

शिवलिंग में न चढ़ाएं टूटे कच्चे चावल

वेद शास्त्रों के अनुसार, टूटे हुए चावल भगवान को नहीं चढ़ाना चाहिए। क्योंकि अक्षत को पूर्णता के रूप में मानते हैं। इसलिए शिवलिंग में कभी भी टूटे हुए चावल नहीं चढ़ाना चाहिए। इससे पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता है।

शिवलिंग में चावल चढ़ाने का सही तरीका

शास्त्रों के अनुसार कभी भी चावल को अकेले नहीं चढ़ाना चाहिए। इसके लिए चावल के साथ फूल, कुमकुम, अबीर, रोली आदि जरूर ले लें। आप चाहे तो थोड़े से चावल हल्दी से रंग कर रख सकते हैं। भगवान को चावल चढ़ाने के लिए हाथ की मध्यमा और अनामिका उंगली के साथ अंगूठे का इस्तेमाल करें। इसके बाद इस मंत्र को बोले- अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुंकमाक्ता: सुशोभिता: मया निवेदिता भक्त्या: गृहाण परमेश्वर॥

हंसना मना है

लड़की अपने बॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई। गर्लफ्रेंड- मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। बॉयफ्रेंड- चल पगली। कुछ भी हो, मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा। मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं।

कोच अपने छात्र से- मैं बैडमिंटन के बारे में सब कुछ जानता हूं। छात्र- सब कुछ? कोच- हां, विश्वास नहीं हो तो कुछ भी पूछ सकते हो। छात्र- बैडमिंटन नेट में कितने छेद होते हैं? कोच छात्र के चरणों में पड़ गया।

पड़ोसी- यार, तेरे घर से रोज हंसी की आवाज आती है। इस खुशहाल जिंदगी का क्या राज है? बब्लू - मेरी बीवी मुझे जूतों से मारती है, लग जाए तो वो हंसती है और ना लगे तो मैं हंसता हूं। जवाब सुनकर पड़ोसी की बोलती हो गई बंद!

वैलेंटाइन डे के 7 दिन पहले गिफ्ट शॉप पर वकील साहब गए..... उन्होंने 40 खूबसूरत कार्ड खरीदे और सब पर उन्होंने लिखा, हैलो माय डियर, पहचान गए ना? शाम को मिलो, आई लव यू दुकानदार- ये क्या मामला है? वकील साहब- पिछले वैलेंटाइन डे पर आस पास कॉलोनी में ऐसे ही 20 कार्ड भेजे थे। कुछ ही दिन में तलाक के चार केस मिल गए थे, इस बार 40 कार्ड भेज रहा हूं दुकानदार के उड़े होश!

कहानी | लोमड़ी और बकरी

एक समय की बात है, एक लोमड़ी घूमते-घूमते एक कुएं के पास पहुंच गई। कुएं की जगत नहीं थी। उधर लोमड़ी ने भी इस और ध्यान नहीं दिया। परिणाम यह हुआ कि बेचारी लोमड़ी कुएं में गिर गई। कुआं अधिक गहरा तो नहीं था, परंतु फिर भी लोमड़ी के लिए उससे बाहर निकलना सम्भव नहीं था। लोमड़ी अपनी पूरी शक्ति लगाकर कुएं से बाहर आने के लिए उछल रही थी, परंतु उसे सफलता नहीं मिल रही थी। अंत में लोमड़ी थक गई और निराश होकर एकटक ऊपर देखने लगी कि शायद उसे कोई सहायता मिल जाए। लोमड़ी का भाग्य देखिए, तभी कुएं के पास से एक बकरी गुजरी। उसके कुएं के भीतर झांका तो लोमड़ी को वहां देखकर हैरान रह गई। नमस्ते, लोमड़ी जी! बकरी बोली-यह कुएं में क्या कर रही हो? नमस्ते, बकरी जी! लोमड़ी ने उत्तर दिया-यहां कुएं में बहुत मजा आ रहा है। अच्छा! बहुत प्रसन्नता हुई यह जानकर। बकरी बोली-आखिर बात क्या है? यहां की घास अत्यन्त स्वादिष्ट है। लोमड़ी बड़ी चतुरता से बोली। मगर तुम कब से घास खाने लगी हो? बकरी आश्चर्य से बोली। तुम्हारा कहना ठीक है। मैं घास नहीं खाती, मगर यहां की घास इतनी स्वादिष्ट है कि एक बार खा लेने के बाद बार बार घास ही खाने को जी करता है। तुम भी क्यों नहीं आ जाती हो? धन्यवाद! बकरी के मुंह में पानी भर आया-मैं भी थोड़ी घास खाऊंगी। अगले ही क्षण बकरी कुएं में कूद गई। मगर जैसे ही बकरी कुएं के भीतर पहुंची लोमड़ी बकरी की पीठ पर चढ़कर ऊपर उछली और कुएं से बाहर निकल गई। वाह! बकरी जी। अब आप जी भर कर घास खाइए, मैं तो चली। इस प्रकार वह चतुर लोमड़ी बकरी का सहारा लेकर खुद तो कुएं से बाहर आ गई लेकिन बकरी को कुएं में छोड़ दिया।

शिक्षा- हर किसी पर आंख मूंदकर विश्वास न करो।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भाग्य आज आपके साथ है। आज रुके हुए कार्यों को आगे बढ़ाने में बहुत मदद मिलेगी। पराक्रम और उत्साह में वृद्धि रहेगी। काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम भी आएगा।

वृषभ

आज आप अपने दोस्तों के जीवन में कोई महत्वपूर्ण रोल अदा कर सकते हैं। आपके दोस्त आपसे किसी जरूरी काम के लिये मदद मांग सकते हैं। आप भी उनकी पूरी मदद करने की कोशिश करेंगे।

मिथुन

जल्दबाजी में कोई काम न करें। पैसों की स्थिति की चिंता करनी होगी। आपका फालतू खर्चा हो सकता है। नौकरी और बिजनेस में किसी बात को लेकर उलझनें बढ़ सकती हैं।

कर्क

आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे। आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है।

सिंह

आज आपके दिन की शुरुआत थोड़े उतार-चढ़ाव से हो सकती है। आपकी किसी से बहस भी हो सकती है, लेकिन जीवनसाथी से आपको हर कदम पर सहयोग मिलेगा।

कन्या

कारोबार बढ़ेगा। अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा। आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है। आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है।

तुला

कामों में सफलता मिलेगी, किन्तु आपको अपनी वाणी पर विशेष संयम रखना होगा। आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है। आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक

आज छोटे बच्चों के लिये दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। आप पेरेंट्स के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। छात्रों को अपनी पढ़ाई पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए।

धनु

रोजमर्रा के काम पूरे होने के योग हैं। आपके काम बनते चले जाएंगे। सोच-समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है। पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं।

मकर

आप खुश और हंसमुख रहेंगे। आपके पास कई अवसर होंगे और आप वरिष्ठों से एहसान प्राप्त करेंगे। आपका करियर और आपकी वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा। प्रेमियों के लिए सुखद समय रहेगा।

कुम्भ

ऑफिस में आपके प्रमोशन होने के चांस बन रहे हैं। आप परिवार वालों के साथ किसी रिश्तेदार की शादी में जा सकते हैं। आपको वहां सबसे मिलकर अच्छा लगेगा। कोई रिश्तेदार आपकी शादी की बात भी छेड़ सकता है।

मीन

आर्थिक तंगी खत्म होगी। इनकम और खर्चा बराबर रहेगा। ऑफिस में अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप पूरी ताकत से काम निपटा लेंगे। आर्थिक तंगी खत्म हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

हेयरड्रेसर के जरिए सुकेश ने किया था जैकलीन को कॉन्टैक्ट

जैकलीन फर्नांडीज का जब से मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आया है, तब से वे सुर्खियों में बनीं हुई हैं। अब इस केस में एक और अपडेट आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जैकलीन से कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर ने सबसे पहले तब बात करना शुरू किया था, जब वो साल 2021 में तिहाड़ जेल में था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआत में जैकलीन ने सुकेश के मैसेजेस के जवाब नहीं दिये थे। लेकिन बाद में जैकलीन के हेयर ड्रेसर के माध्यम से एक्ट्रेस से कॉन्टैक्ट किया। फिर सुकेश ने अपने इंट्रोडक्शन में बताया कि वो एक टीवी नेटवर्क और एक ज्वेलरी ब्रांड के मालिक हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि वो गृह मंत्रालय का भी करीबी है। रिपोर्ट के मुताबिक जैकलीन को नहीं पता था कि सुकेश के ऊपर 200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा है और वो जेल से उन्हें कॉन्टैक्ट करता है। जैकलीन ने कहा कि अब उन्हें समझ आया कि क्यों वो उनसे मिलने से कतराता था। जब भी जैकलीन उससे मिलने के लिए कहती थीं, तब सुकेश कहता था कि कोविड की वजह से वो फंसा हुआ है। कोरोना की दूसरी वेव के दौरान दोनों मिले थे। जैकलीन ने खुलासा किया कि जब वो पैरोल पर बाहर था, तब वो सुकेश से केवल 2 बार मिली हैं। उनकी सुकेश से एक मीटिंग चेन्नई में हुई थी। जैकलीन ने बताया कि सुकेश ने जेल में एक ऑफिस स्पेस बनाया था और वहीं से वो उनसे लगातार वीडियो कॉल के जरिए कॉन्टैक्ट करता था। जैकलीन ने यह भी बताया कि एक बार उन्होंने सुकेश को लेकर खबर पढ़ी थी। जब उन्होंने सुकेश से पूछा तो उसने कहा कि उसे गलत केस में फंसाया गया है। ईडी ने सुकेश और अन्य के खिलाफ 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी।

अब ऋतिक रोशन और सबा आजाद की शादी की हलचल

ऋतिक रोशन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। ऋतिक, सिंगर सबा आजाद को काफी समय से डेट कर रहे हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया की दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। हालांकि, मीडिया सूत्रों के मुताबिक दोनों फिलहाल एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं। कपल को शादी करने की कोई जल्दी नहीं है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक ऋतिक रोशन और सबा आजाद एक हैप्पी रिलेशनशिप में हैं। दोनों साथ में अच्छा टाइम स्पेंड कर रहे हैं और कपल साथ में वेकेशन पर भी गए हैं। सबा के सुजैन के साथ बहुत अच्छे रिलेशन हैं और वो ऋतिक के बच्चों के भी क्लोज हैं। हालांकि, सबा और ऋतिक को शादी करने की कोई जल्दी नहीं है। दोनों फिलहाल साथ में अपना टाइम एंजॉय कर रहे हैं। साथ ही कपल अभी सोच रहे हैं कि क्या वो शादी करना चाहते हैं। सबा और ऋतिक हाल ही में क्वालिटी टाइम स्पेंड करने के लिए लंदन गए हैं। पिछले हफ्ते सबा ने एक जैज क्लब से रोमांटिक फोटो शेयर की थी। दोनों लंदन में काफी एंजॉय करते नजर आ रहे थे। बता दें कि ऋतिक रोशन की पहली शादी सुजैन खान से हुई थी। 14 साल तक शादी में रहने के बाद दोनों ने 2013 में तलाक का केस फाइल कर दिया था। नवंबर 2014 में दोनों का तलाक फाइनल हो गया था। ऋतिक और सुजैन के अलग होने के बाद भी दोनों के बीच अच्छी दोस्ती है। कहा ये भी जा रहा है कि ऋतिक रोशन अपनी रिलेशनशिप वाली बात सभी से छुपा रहे हैं। फिलहाल अभी वे अपनी फिल्म की शूटिंग में बहुत ज्यादा व्यस्त है।

बॉलीवुड | मसाला

कंगना की फिल्म इमरजेंसी विवादों में घिरी

कंगना रनोट की अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी विवादों में घिरती नजर आ रही है। कांग्रेस ने ऑब्जेक्शन उठाते हुए कहा है कि इस फिल्म में इंदिरा गांधी की इमेज को खराब करने की कोशिश की गई है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि फिल्म रिलीज के पहले कांग्रेस को भी दिखाई जाए। 1975 से 1977 तक लगी इमरजेंसी पर आधारित फिल्म की शूटिंग अभी भी चल रही है। मध्य प्रदेश की कांग्रेस मीडिया डिपार्टमेंट की वाइस प्रेसिडेंट संगीता शर्मा ने कंगना को बीजेपी की एजेंट बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि कंगना ने बीजेपी के कहने पर प्राइम मिनिस्टर इंदिरा गांधी का रोल उनकी इमेज खराब करने के लिए कर रही हैं। संगीता ने रिलीज के पहले फिल्म को कांग्रेस को दिखाने की मांग की है। हालांकि, बीजेपी ने फिल्म को लेकर कांग्रेस के ऑब्जेक्शन को उनकी नर्वसनेस बताया है। मध्य प्रदेश के बीजेपी स्पीकर राजपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि इमरजेंसी देश के लोकतंत्र पर एक काला धब्बा है और उस समय हीरोइन इंदिरा गांधी थीं, इसलिए उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। हाल ही में 14 जुलाई को इमरजेंसी का टीजर रिलीज किया गया था और इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर न.1 ट्रेंड कर रहा है। कंगना इस फिल्म में प्राइम मिनिस्टर इंदिरा गांधी के रोल में नजर आएंगी। साथ ही एक्ट्रेस इस फिल्म को डायरेक्ट भी कर रही हैं।

अजब-गजब | यहां के लोग निभाते हैं अनोखी परंपरा

यहां पत्नी का चेहरा बिगाड़ देता है पति

दुनियाभर के हर देश में और संप्रदाय में लोग अलग-अलग तरह के रीति-रिवाजों को मानते आ रहे हैं। जो सदियों से उनके समाज के साथ जुड़ी हुई है। कुछ रीति-रिवाज तो ऐसे होते हैं जिन्हें जानकर किसी को भी हैरानी होने लगे। सबसे ज्यादा विचित्र रीति-रिजाव आदिवासी और जनजाति में निभाए जाते हैं जो यकीनन किसी को भी सोचने पर मजबूर कर देंगे। वैसे तो दुनियाभर में महिलाओं को संजना संवरना बेहद पसंद होता है लेकिन आज हम आपको एक ऐसे समुदाय के बारे में बताने जा रहे हैं जहां महिलाओं को बदसूरत बनाया जाता है। यही नहीं महिलाओं को बदसूरत बनाने में उनके ही पतियों का हाथ होता है।

महिलाओं को बदसूरत बनाने की इस परंपरा को म्यांमार में रहने वाली चिन और मुन जनजाति के लोग निभाते हैं। यहां पुरुष अपनी पत्नियों को कुरूप बनाकर रखते हैं। इसके लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ते। उनके चेहरे को ऐसे बना दिया जाता है कि अगर आप भी उन्हें देख लें तो हैरान रह जाएं। दरअसल, इस जनजाति के पुरुष अपनी पत्नियों के चेहरे पर भद्दे टैटू बनवाकर रखते हैं। इससे भी हैरानी की बात तो ये हैं कि ये टैटू सूअर और गाय की चर्बी के बने होते हैं। जिससे उनसे घृणा और बढ़ जाती है। साथ ही ये टैटू किसी रंग से नहीं बल्कि जंगली पौधों से बनाए जाते हैं। इनसे संक्रमण का खतरा भी रहता है। टैटू बनवाने के बाद भी इनसे खून रिसता रहता है। दुनियाभर में मौजूद अलग अलग जनजाति के लोग सदियों से अपनी परंपरा निभाते आ रहे हैं जिनमें से कुछ परंपराएं ऐसी है जिन्हें जानकर कोई भी हैरान रह जाए। आधुनिक युग में जहां इंसान चांद पर पहुंच रहा है तो वहीं जनजाति के लोग सदियों पुरानी अपनी परंपरा को ही निभा रहे हैं। म्यांमार में रहने वाली चिन और मुन जनजाति के लोग भी अपनी परंपरा को बखूबी निभाते आ रहे हैं क्योंकि इन जातियों को हमेशा अपनी सुरक्षा की चिंता सताती रहती है। असुरक्षा के कारण ही ये लोग ऐसा करते हैं क्योंकि म्यांमार में बरसों पहले राजशाही थी और निर्दयी राजा अपने क्षेत्र की सुंदर महिलाओं पर गंदी नजर रखते थे। वह शारीरिक शोषण के अलावा उन्हें सेक्स स्लेव के रूप में रखते थे। इस समस्या से निपटने के लिए जनजाति के लोगों ने अपनी महिलाओं का सौंदर्य ही बिगाडना शुरू कर दिया। उसके बाद ये लोग आज भी इसी तरह की परंपरा को निभाते आ रहे हैं

मुफ्त में फिल्म दिखा रहा है सिनेमा हॉल सिर्फ बालों के रंग से जुड़ी है छोटी सी शर्त!

देश में भले ही कुछ जगहों पर मॉनसून झूमकर बरस रहा हो लेकिन विदेशों में कई जगह ऐसी लू चल रही है कि लोग गर्मी से तड़प रहे हैं। घर में बैठकर एसी का बिल बढ़ाने के बजाय लोग अपना वक्त ऑफिस या कहीं ठंडी जगह पर आउटिंग करके काट रहे हैं। ब्रिटेन में भी लोगों का कुछ ऐसा ही हाल है और यहां के सिनेमा हॉल ने उन्हें फ्री में 3 घंटे एसी हॉल में पिक्चर दिखाने का ऑफर दिया है। भई ऑफर तो बहुत ही अच्छा है, लेकिन इससे जुड़ी हुई एक छोटी सी शर्त भी है, जो हर कोई पूरी नहीं कर सकता। गर्मी के मौसम में सिनेमा हॉल में 3 घंटे की फिल्म देखकर आने से बेहतर कोई दूसरी डील नहीं हो सकती। अगर आपको ये मौका मुफ्त में मिल रहा हो, तो वैसे भी आपके वारे न्यारे हो सकते हैं, लेकिन उस शर्त का क्या, जो इस ऑफर के साथ मुफ्त में आ रही है। यूनाइटेड किंगडम के कई हिस्सों में तापमान 40 सेंटीग्रेड से ऊपर जा चुका है। आमतौर पर जहां जुलाई में ये 21 डिग्री सेल्सियस हुआ करता था, वहीं इस वक्त ये 38 डिग्री तक है। यही वजह है कि लोग इस वक्त अपना ज्यादातर वक्त स्विमिंग पूल, वॉटर पार्क, मॉल्स और सिनेमा हॉल में बिता रहे हैं। इसी बीच Showcase Cinemas की ओर से ब्रिटिश लोगों को फ्री एंट्री दिए जाने का ऑफर दिया गया है। सिर्फ शर्त इतनी सी है कि उनके बालों का रंग लाल होना चाहिए। अगर आने वालों के बाल किसी और रंग के हैं, तो उन्हें सिनेमा हॉल के अंदर आने नहीं दिया जाएगा। जो ये शर्त पूरी करते हैं, उन्हें सुपरहिट फिल्में बिल्कुल फ्री दिखाई जाएंगी। शिकोस सिनेमा के जनरल मैनेजर Mark Barlow कहते हैं कि उन्हें पता है कि इस वक्त कुछ लोगों के लिए गर्मी बर्दाश्त करना कितना मुश्किल हो रहा है, ऐसे में उन्हें सिनेमा हॉल के ठंडे वातावरण में रहने का मौका दिया जाएगा। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार और मंगलवार को लाल रंग के बालों वाले ब्रिटिश आकर एयर कंडीशंड सिनेमा में बिना पैसे दिए फिल्म देखने का लुत्फ उठा सकते हैं और सूरज की तेज़ धूप से बचे रह सकते हैं। माना जाता है कि लाल रंग के बालों वाले लोगों को सूरज की किरणें ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं, जबकि उनके बाल भी खराब हो जाते हैं।

अब जीएसटी को लेकर वरुण गांधी ने अपनी सरकार को घेरा, कहा

दूध-आटा पर जीएसटी, शराब और पेट्रोल-डीजल पर नहीं

» केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर तैयार करें जनहितकारी प्रारूप

» राहत देने के समय जनता को किया जा रहा है आहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर अपनी सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने ट्वीट कर जीएसटी प्रणाली पर सवाल उठाए हैं और सरकार को नसीहत दी है।

उन्होंने बुधवार को ट्विटर पर लिखा कि दूध, आटा, दाल, चावल जैसी वस्तुओं पर जीएसटी लागू हो चुका है। शराब, पेट्रोल, डीजल आदि पर नहीं...। अगर इस टैक्स प्रणाली का सारा बोझ आम जनता ही वहन करेगी तो इसे लाने का मूल उद्देश्य ही पीछे छूट जाएगा। सांसद ने सुझाव दिया कि केंद्र व राज्य सरकारों को मिलकर जीएसटी का एक जनहितकारी प्रारूप तैयार करना होगा। इससे दो दिन पहले भी सांसद ने ट्वीट कर जीएसटी की नई

दरों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जब राहत देने का समय है तब लोगों को आहत किया जा रहा है। सांसद ने लिखा था दूध, दही, मक्खन, चावल, दाल, ब्रेड जैसे पैक्ड उत्पादों पर भी अब जीएसटी लागू है। रिकार्डतोड़ बेरोजगारी के बीच लिया गया यह फैसला मध्यमवर्गीय परिवारों और विशेषकर किराए के मकानों में रहने वाले संघर्षरत युवाओं की जेबें और हल्की कर देगा। इसके पहले मंगलवार को हरियाणा में पुलिस अधिकारी की हत्या को लेकर भी वरुण गांधी ने ट्वीट किया था।

उन्होंने ट्विटर पर लिखा था कि खनन माफिया जिस क्रूरता से एक ईमानदार पुलिस अधिकारी की हत्या की है, वो स्तब्ध कर देने वाली है। किसके संरक्षण ने खनन माफियाओं को ऐसा करने की हिम्मत दी? किसके संरक्षण से अरावली क्षेत्र में अवैध खनन माननीय सुप्रीम कोर्ट के रोक के बावजूद बदस्तूर जारी है? दोषियों को सजा कब? हालांकि, इस हत्याकांड के दोषी को हरियाणा पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है।

जदयू को झटका

आलोक पटेल समर्थकों संग वीआईपी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी ने दिलाई सदस्यता

पटना। बिहार में एक बार फिर से राजनीतिक उथल-पुथल की संभावना बढ़ गई है। प्रदेश में कभी नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी ने जेडीयू को तगड़ा झटका दिया है। गोपालगंज के जदयू के वरिष्ठ नेता आलोक पटेल बुधवार को अपने समर्थकों के साथ विकासशील इंसान पार्टी में शामिल हो गए।

गोपालगंज में आयोजित मिलन समारोह में वीआईपी प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने पटेल को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कारवाई। मुकेश सहनी ने कहा कि अगर किसी को समझना या जानना है तो उसके किरदार को देखना चाहिए। किरदार से ही देवता बना जा सकता है और किरदार देखकर ही किसी व्यक्ति को दानव समझा जा सकता है। मैं गरीबी से उठकर बड़े संघर्षों के बाद आज यह मुकाम पाया है। ऐसे में मैं गरीबों का दर्द समझता हूं। गरीबों और समाज के लोगों की आवाज बनने के लिए ही राजनीति में आया हूं। आलोक पटेल के वीआईपी में आने से पार्टी और मजबूत होगी। आलोक पटेल को पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

मध्य प्रदेश: नगर निगम में शून्य से पांच हुई कांग्रेस

» कमलनाथ ने मनाया जश्न भाजपा पर साधा निशाना

» सात नगर निगम हारने के बाद भी जश्न मना रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण के नतीजे बुधवार को जारी हुए। उनमें पांच नगर निगम में से भाजपा और कांग्रेस को दो-दो और एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी को जीत मिली है। प्रदेश की कुल 16 नगर निगमों की तस्वीर साफ हुई और कांग्रेस जो बीते चुनाव में एक भी सीट पर नहीं जीत सकी थी शून्य से पांच तक का सफर करने में कामयाब हुई। नतीजे आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाया और भाजपा पर जमकर बरसे।

उन्होंने कहा पिछली बार हमारे पास एक भी सीट नहीं थी अब पांच हैं। यह जनता और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की जीत है। सरपंच से लेकर राष्ट्रपति चुनाव तक भाजपा पैसे का इस्तेमाल करना चाहती है। भाजपा ने पुलिस और प्रशासन का भी खूब उपयोग किया। भाजपा चुनावों में 7 नगर निगम हार गई लेकिन फिर भी जश्न मना रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के पार्षद उम्मीदवार भी बड़ी संख्या में जीते और वार्डों में हमने बेहतर परफॉर्म किया है। उन्होंने कहा 2023 विधान सभा चुनाव में जनता भाजपा को हराएगी।

शिवसेना को संजय राउत ने तोड़ा: अठावले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने शिवसेना में विभाजन के लिए राज्यसभा सांसद संजय राउत को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने राउत के इशारे पर ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ गठबंधन किया था।

अठावले ने कहा, शरद पवार नहीं बल्कि संजय राउत ने शिवसेना को तोड़ा है। उद्धव ठाकरे ने संजय राउत के कहने पर ही एनसीपी के साथ जाने का फैसला किया था। अगर शिवसेना और राकांपा एक साथ नहीं आती तो महा विकास अघाड़ी सरकार कभी नहीं बनती। ऐसे में महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना की सरकार होती। इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रामदास कदम ने आरोप लगाया था कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शिवसेना को तोड़ा।

चित्रकूट में लोक सभा चुनाव पर चिंतन करेगी भाजपा

» 29 जुलाई से 15 सत्रों का शुरू होगा प्रशिक्षण वर्ग आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के चित्रकूट यानी प्रभु राम की तपोभूमि में 29 से 31 जुलाई तक प्रदेश के प्रशिक्षण वर्ग में चिंतन करेगी। इसमें 2024 के लोक सभा चुनाव, संगठन की मजबूती पर चिंतन होगा। साथ ही पिछले किए गए कार्यों के साथ भविष्य में राष्ट्र और समाज के लिए किए जाने वाले कार्यों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

प्रदेश स्तरीय इस प्रशिक्षण वर्ग में जहां प्रदेश के सभी पदाधिकारी और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रहेंगे, वहीं राष्ट्रीय स्तर के नेता अलग-अलग सत्रों को संबोधित करेंगे। इसके लिए स्थानीय स्तर पर बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। साथ ही अलग-अलग जिम्मेदारियां बांटी गई हैं। सभी पदाधिकारियों को 27 जुलाई से ही चित्रकूट पहुंचने के निर्देश भी दे दिए गए हैं। इसमें 15 सत्र होंगे। इसमें एकात्म मानववाद से लेकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तक के सत्र होंगे। प्रदेश की सभी लोक सभा सीटों पर इस आध्यात्मिक नगरी से संदेश भेजा जाएगा। भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह ने बताया कि 29 से 31 जुलाई तक प्रदेश का प्रशिक्षण वर्ग चित्रकूट में है। इसकी शुरुआती तैयारी की जा रही है। पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी जा रही हैं।

प्रदेश सरकार में दलितों का हो रहा है उत्पीड़न!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि मंत्री अपने राज्यमंत्रियों के साथ तालमेल रखें और अपने स्टाफ पर आंख मूंद कर भरोसा न करें। ये निर्देश उस वक्त आया है जब योगी सरकार के कुछ मंत्रियों की नाराजगी की खबर सामने आई है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि तबादलों के खेल में छोटे अफसर सस्पेंड तो मंत्री क्यों नही? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, सैयद कासिम, राजनीतिक विश्लेषक प्रबल प्रताप शाही और अभिषेक कुमार के साथ एक लंबी परिचर्चा की।

सैयद कासिम ने कहा कि खटीक, जितिन और बृजेश पाठक ये तीन नाम चर्चा में है। पाठक ने चिट्ठी भी लिखी कि स्वास्थ्य विभाग में तबादलों में लापरवाही बरती गई है, उसमें जांच भी चल रही है। पीडब्ल्यूडी में ओएसडी हटाए गए। खटीक इसलिए चर्चा में आए कि दलितों का अपमान हो रहा है। बगैर संभावनाओं के विधायक व मंत्री इस्तीफा नहीं देते। सुशील दुबे ने कहा कि पिछली सरकार योगी वन में पांच साल केशव और योगी में खूब खींचतान चली मगर वे हार गए। डिप्टी सीएम बन गए, बात खत्म। हां, बहुत से लोग दिल्ली दरबार के नवरत्न हैं। खटीक ने अपनी चिट्ठी में दलित के नाम पर फोकस किया है कि अपमान हुआ है। खटीक अपनी नाराजगी, अपनी चिट्ठी योगी को लिखते, सुनील बंसल को लिखते, प्रदेश अध्यक्ष को लिखते, राज्यपाल को भी नहीं लिखी आखिर शीर्ष नेतृत्व को क्यों भेजी तो इसमें भी कुछ न कुछ है।

प्रबल प्रताप शाही ने कहा जब से चुनाव हुआ है, रिजल्ट आया है, योगी आदित्यनाथ की चर्चा खत्म हो गई। नरेंद्र मोदी तक सब लोग सीमित हो गए। बृजेश पाठक की चिट्ठी ने खूब तूल पकड़ा, खटीक का जो इस्तीफा है वो समझ ही नहीं आ रहा है। राज्यपाल, सीएम को नहीं लिखा। खैर उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र नहीं भेजा। ये बात तो साफ है कि इस सरकार में दलितों का अपमान, उत्पीड़न तो है। सरकार में ही नहीं, बल्कि संगठन में भी है। राजभर सही कहते थे कि पिछड़ा समाज लोडर है, लीडर नहीं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

ईडी के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए संजय सिंह ने मांगा समय

» राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी को ईडी के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे पर अपनी बात रखने के लिए समय मांगा है। संजय सिंह ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का बढ़ता राजनीतिक दुरुप्रयोग लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय का बढ़ता दुरुप्रयोग और विपक्षी नेताओं पर एक तरफा कार्रवाई एजेंसी के कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है। ईडी द्वारा दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन और विपक्ष के नेताओं पर मनमाने ढंग से मामले दर्ज किए जा रहे हैं जबकि पिछले 14 सालों से प्रवर्तन निदेशालय ने 16 हजार से ज्यादा केस दर्ज किए, लेकिन केवल 15 लोगों पर ही आरोप सिद्ध कर सकी। इससे पहले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने अग्निपथ योजना पर मोदी सरकार को घेरा था, उन्होंने दावा किया है कि भारत के इतिहास में पहली बार सेना भर्ती में जाति पूछी जा रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, आपको अग्निवीर बनाना है या जातिवीर? संजय सिंह ने अपने ट्विटर हैंडल पर सेना बहाली के जुड़ा एक स्क्रीनन शॉट शेयर किया है।

उन्होंने लिखा है कि मोदी सरकार का घटिया चेहरा देश के सामने आ चुका है। क्या मोदी जी दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को सेना भर्ती के क़ाबिल नही मानते? भारत के इतिहास में पहली बार सेना भर्ती में जाति पूछी जा रही है। मोदी जी आपको अग्निवीर बनाना है या जातिवीर? बता दें कि सेना भर्ती के लिए अग्निपथ योजना का सबसे ज्यादा विरोध बिहार में ही हुआ था। मोदी सरकार ने हाल ही में इस योजना का ऐलान किया था। इसके तहत चार साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती की जानी है। इसमें 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही स्थाई काडर में भर्ती किया जाएगा। वहीं 75 प्रतिशत अग्निवीरों को सेवा निधि लेकर सेवानिवृत्ति दे दी जाएगी। इस स्कीम की घोषणा के बाद बिहार में युवाओं ने आगजनी की थी।

शरद पवार ने भंग किए राष्ट्रीय स्तर वाले पार्टी के सभी विभाग व प्रकोष्ठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» एनसीपी ने अपनी पार्टी के लिए उठाया बड़ा कदम

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने अपनी पार्टी के लिए बड़ा कदम उठाया है। एनसीपी के जनरल सेक्रेटरी प्रफुल्ल पटेल ने बताया कि अध्यक्ष शरद पवार ने तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के सभी विभागों व प्रकोष्ठों को भंग करने का फैसला लिया है। एनसीपी के इस फैसले की पुष्टि करते हुए प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि एनसीपी प्रमुख की मंजूरी के बाद यह बड़ा निर्णय हुआ है।

प्रफुल्ल पटेल ने बताया कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार साहेब की मंजूरी के साथ तत्काल प्रभाव से एनसीपी के सभी नेशनल लेबल के डिपार्टमेंट व सेल को भंग किया गया। इसमें नेशनलिस्ट वूमंस कांग्रेस, नेशनलिस्ट यूथ कांग्रेस और नेशनलिस्ट स्टूडेंट्स कांग्रेस नहीं है। सूत्रों के अनुसार यह फैसला हाल में महाराष्ट्र की महा विकास अघाड़ी सरकार के गिरने के बाद लिया गया है। इसके तहत अब एनसीपी का पुनर्गठन करने का मकसद है। बता दें कि गठबंधन सरकार में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी शामिल थी। एनसीपी शिवसेना की अगुवाई में बनी सरकार में अहम हिस्सा थी, जो उद्धवके शिवसेना खेमे में हुई बगावत के बाद गिर गई।

स्वास्थ्य विभाग के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई तय

» सीएम योगी नाराज, जांच रिपोर्ट का इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नाराजगी के बाद स्वास्थ्य विभाग और लोक निर्माण विभाग में हुए तबादला कांड ने अफसरों की नींद उड़ा दी है। मुख्यमंत्री ने दोनों विभागों में हुए तबादलों में गड़बड़ी पर जांच बैठा दी है, जिसकी रिपोर्ट आते ही कई अफसरों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

प्रांतीय चिकित्सा सेवा (पीएमएस) संवर्ग के डाक्टरों के तबादलों में हुई गड़बड़ियों को लेकर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी की मुख्यमंत्री कार्यालय में बुधवार देर रात तक बैठकों का सिलसिला जारी रहा। बैठक में डाक्टरों के तबादलों में कहां-कहां गड़बड़ियां हुई हैं इस पर चर्चा हुई। हर स्तर पर गड़बड़ी करने वालों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई किया जाना तय माना जा रहा है। लोक निर्माण विभाग में तबादलों में गड़बड़ी पर लिए गए सख्त एक्शन के बाद अब स्वास्थ्य विभाग के दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।

फिलहाल उच्चस्तरीय सूत्रों के मुताबिक डाक्टरों के स्थानांतरण में गड़बड़ी पर महानिदेशालय स्तर से शासन स्तर तक के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर कई अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। भ्रष्टाचार की जीरो टालरेंस नीति के तहत गड़बड़ करने वालों को सबक सिखाया जाएगा। जांच के लिए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में बनी कमेटी में अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश अवस्थी व अपर मुख्य सचिव, आबकारी संजय भूसरेड्डी शामिल हैं। माना जा रहा है कि कमेटी दो दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है।

दिल्ली दरबार में जितिन, नड्डा ने अब तक नहीं की मुलाकात

» योगी सरकार से नाराजगी की अटकलों के बीच तलब किए गए पीडब्ल्यूडी मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग में तबादलों को लेकर बीते तीन दिनों से मची हाय-तौबा शांत होने का नाम नहीं ले रही है। इसी वजह से जितिन प्रसाद को दिल्ली दरबार में तलब किया गया है। बताया जा रहा है कि जितिन से अभी तक भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बात नहीं की है, उन्हें अभी मिलने के लिए समय भी नहीं दिया गया।

जितिन दिल्ली में है वह अपनी परेशानी आलाकमान के सामने रखना चाहते हैं मगर आलाकमान योगी से कोई नाराजगी मोल नहीं लेना चाहता, ऐसे में शीर्ष नेतृत्व उन लोगों से चर्चा कर रहा हैं, जो इस मसले पर उन्हें फीडबैक दे रहे हैं। हालांकि नाराज मंत्री पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने समय भी मांगा हैं पर अब तक मुलाकात नहीं हो सकी हैं। बता दें कि जितिन प्रसाद के पीडब्ल्यू मंत्रालय में भी तबादलों में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया था। इसके बाद योगी आदित्यनाथ ने जितिन प्रसाद के ओएसडी को हटा दिया था। साथ ही विभाग में अन्य अफसरों को भी बर्खास्त कर दिया था। बताया जा रहा है कि जितिन इसी कार्रवाई से नाराज चल रहे हैं। इसी सिलसिले में वे दिल्ली पहुंचे हैं। मीडिया से बातचीत में जितिन प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नाराजगी का कोई प्रश्न नहीं उठता और न ही वह इस बारे में अमित शाह से मिलने आए हैं। हम लोग मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में काम कर रहे हैं। यही प्रयास है कि जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरें। जब कभी पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं से समय मिलेगा, उनसे मिल सकते हैं लेकिन अभी मेरा ऐसा कोई विचार नहीं है।

वहीं सूत्रों का कहना है कि आलाकमान ने जितिन प्रसाद को ऐसे वक्त पर दिल्ली बुलाया गया जब दिनेश खटीक और बृजेश पाठक के नाराज होने की भी खबरें हैं। उधर, जेपी नड्डा ने आज दिनेश खटीक की बातें सुनीं और उन्हें समस्याओं के निराकरण का आश्वासन भी दिया है। इसके साथ खटीक को बीजेपी अध्यक्ष की ओर से नसीहत भी मिली है कि वो सरकार और पार्टी के मसले को पार्टी फोरम में ही उठाएं।

योगी सरकार को बदनाम करने की साजिश: नितिन अग्रवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेरठ के हस्तिनापुर से भाजपा के विधायक दिनेश खटिक के केंद्र सरकार में गृह मंत्री अमित शाह को अपना इस्तीफा देने के साथ सरकार में बात ना सुनी जाने की बात कहने के बीच में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल के भी नाराजगी की चर्चा ने जोर पकड़ा है। इसी बीच समाजवादी पार्टी ने भाजपा में आने वाले नितिन ने नाराजगी की बात को सिरे से खारिज कर दिया।

नितिन अग्रवाल ने सरकार ने अपनी नाराजगी का खण्डन किया है। मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि इन दिनों योगी आदित्यनाथ सरकार को बदनाम करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग नाराज हैं वह उनकी व्यक्तिगत नाराजगी हो सकती है। प्रदेश सरकार में मंत्री विभाग का हेड होता है और यहां पर अधिकारी सरकार की नीतियों को लागू कराने के लिए होते हैं। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा है कि कुछ समाचार पत्रों ने उन्हें भी असंतुष्ट खेमे में खड़ा कर दिया है, जबकि उनसे किसी से बात नहीं हुई। इन पत्रों में गलत तथा आधारहीन तरीके से उनका नाम लिखा गया है, उन्हें नोटिस भी भेजेंगे। आबकारी मंत्री ने कहा कि सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में कार्य कर रही है उन्हें जो लक्ष्य दिया गया है उसे पूरा कर रहे हैं, सरकार विकास कार्यों का रिकॉर्ड बना रही है। आबकारी मंत्री ने विधानभवन स्थित कक्ष में पत्रकारों से कहा कि सरकार की गाइडलाइन मुख्यमंत्री तय करते हैं, उसे जमीन पर उतारना मंत्रियों व अधिकारियों की जिम्मेदारी है। सभी मिलकर कार्य कर रहे हैं।

एमपी से सपा गायब बसपा का कद घटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है। समाजवादी पार्टी एकदम गायब है। बसपा का प्रदर्शन भी औसत रहा।

नगरीय निकाय चुनाव में निर्दलियों ने जिस मजबूत तरीके से हर जगह मैदान जीता है वो प्रदेश के सारे समीकरण उलटा करता दिख रहा है। मध्य प्रदेश में बदल रहे सियासी माहौल के बीच नगरीय निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम की एंट्री ने कांग्रेस और बीजेपी के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। नगरीय निकाय चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के अलावा निर्दलियों ने अपना दम दिखाया है. उसमें आम आदमी पार्टी सबसे ज्यादा असरदार साबित हुई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।